E-ISSN :

CGLA-JOURNAL OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

(E-RESEARCH JOURNAL)

Volume – 1 **Issue – 1** **January-June 2024**

HALF YEARLY (ENGLISH AND HINDI) JOURNAL

ENGLISH PART – 1

HINDI PART – 2

WEBSITE :
https://sites.google.com/view/cgla-jlis

EDITOR IN CHIEF

Dr. Pramod Sharma
Librarian,
D.P. Vipra Law College, Ashok Nagar,
Sarkanda, Bilaspur (C.G.) 495006

PUBLISHED BY

CHHATTISGARH LIBRARY ASSOCIATION (CGLA)
BILASPUR, CHHATTISGARH
(INDIA) 495006
Email Id : libraryassociation.cg@gmail.com

E-ISSN :

CGLA-JOURNAL OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

(E-RESEARCH JOURNAL)

Volume – 1 **Issue – 1** **January-June 2024**

EDITORIAL BOARD

EDITOR IN CHIEF

Dr. Pramod Sharma
Librarian,
D.P. Vipra Law College, Ashok Nagar,
Sarkanda, Bilaspur (C.G.) 495006

EDITOR

Dr. Sangeeta Singh
Dr. C. V. Raman University,
Kargi Road, Kota, District-Bilaspur, Chhattisgarh

Dr. Avinash Singh Thakur
Atal Bihari Vajpayee Vishwavidyalaya,
Bilaspur, Chhattisgarh

Dr. Sarita Mishra
Dr. C. V. Raman University,
Kargi Road, Kota, District-Bilaspur, Chhattisgarh

Dr. Kundan Jha
Hon'ble Judges Library,
High Court of Chhattisgarh, Bilaspur, Chhattisgarh

ASSOCIATE EDITOR

Dr. Dilip Choudhary
Dau Shri Vasudev Chandrakar Kamdhenu Vishwavidyalaya,
Durg, Chhattisgarh

Dr. Nidhi Gupta
Dr. C. V. Raman University,
Kargi Road, Kota, District-Bilaspur, Chhattisgarh

Mr. Bihari Lal Patel
Indian Institute of Handloom Technology,
Champa, District-Janjgir-Champa, Chhattisgarh

Volume – 1, Issue – 1 | January-June 2024
CGLA - Journal of Library and Information Science
ISSN No. :

छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ: मध्य भारत में लाइब्रेरियनशिप और सूचना सेवाओं का विस्तार

बिहारी लाल पटेल
पुस्तकालय अध्यक्ष
भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान,
जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़, भारत

डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा
पुस्तकालय अध्यक्ष
डी. पी. विप्र लॉ कॉलेज,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत

सार

प्रस्तुत पाठ में हमने किसी भी व्यवसाय में संघ को चिन्हित किया। पुस्तकालय व्यवसाय में संघ की आवश्यकता एवं महत्व पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही पुस्तकालय संघ के पुस्तकालय व्यवसाय के एवं पुस्तकालय व्यसायियों के दृष्टिकोण से कार्यों पर प्रकाश डाला। छत्तीसगढ़ में पुस्तकालय व्यवसाय के हित में कार्य कर रहे छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ के उद्देश्यों, संगठनात्मक ढाँचा एवं प्रकाशनों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ में पुस्तकालय विज्ञान की शिक्षा हेतु किये गये ऐतिहासिक प्रयासों का वर्णन किया एवं वर्तमान में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में चलाये जा रहे पुस्तकालय विज्ञान के विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को चिन्हित किया।

1. **परिचय** - किसी भी व्यवसाय की सफलता में दो तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है -पहला संगठन की संरचनात्मक व्यवस्था एवं दूसरा संगठन में कार्य करने वाले कर्मचारीगण। व्यवसाय के स्वाभाविक विकास हेतु यह आवश्यक है कि उससे सम्बद्ध मानव संसाधन अर्थात कर्मचारी गण के हितों की रक्षा हो, साथ ही उनके स्वंय के विकास हेतु समय-समय पर यथा सम्भव सुनिश्चित किया जाय। व्यवसाय अथवा किसी संगठन का कोई व्यक्ति अपने हितों की रक्षा हेतु स्वंय आवाज उठाने में विभिन्न कारणों से असर्मथता महसूस करता है। ऐसे में उस व्यवसाय विशेष के संघ ही ऐसा मंच है जो बिना किसी राग-द्वेष के व्यवसाय से जुड़े किसी भी व्यक्ति विशेष अथवा सामान्य हित की रक्षा करना सुनिश्चित करते है एवं ऐसे में यथासम्भव प्रयास करते हैं। प्रत्येक संघ का एक सामान्य उद्देश्य है कि वह अपने व्यवसाय को आगे बढाये एवं व्यवसाय के सदस्यों में निःस्वार्थ एवं समर्पण की भावना को प्रेरित करे।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के हित में बनाये गये विभिन्न संघ वास्तव में विद्वत/ प्रबुद्ध संस्थायें है एवं इनका उद्देश्य पुस्तकालय तंत्र का समुचित विकास सुनिश्चित करना एवं उन्नत पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करने में सहयोग देना है। इन संघों के माध्यम से विभिन्न पुस्तकालयों में कार्यरत समस्त कर्मचारीगण एक मंच पर आकर अपना ध्यान व्यवसाय के विकास की ओर केन्द्रत कर सकते हैं।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में शिक्षा प्रदान करने का प्रमुख उद्देश्य इस क्षेत्र में योग्य , तकनीकी रूप से प्रशिक्षित व्यवसायीयों / कर्मचारीयों को तैयार करना है। यह क्षेत्र तकनीकी रूप से एक समृद्ध विषय है एवं इसके पर्याप्त व्यवहारिक ज्ञान हेतु यह आवश्यक है कि उचित प्रशिक्षण लिया जाए। ऐसे में पुस्तकालय के महत्व को देखते हुए इस विषय में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं में विभिन्न पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। जो न केवल छात्रों एवं प्रशिक्षुओं को पुस्तकालय विषय पर शिक्षा प्रदान कर रहे हैं बल्कि उन्हें तकनीकी रूप से प्रशिक्षित भी कर रहे हैं।

2. **संघ का इतिहास** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ का निर्माण छत्तीसगढ़ राज्य में छत्तीसगढ़ सार्वजनिक पुस्तकालय नियम, 2008 के अंतर्गत किया गया है।छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ का इतिहास बहुत महत्वपूर्ण है। यह संघ 1973 के छत्तीसगढ़ सोसायटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत एक पंजीकृत संघ है। इसका आधिकारिक पंजीकरण 13 फरवरी, 2024 को हुआ था। संघ की स्थापना मुख्य रूप से डॉ. कुंदन द्वारा की गई थी, जिन्हें छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन के जनक के रूप में मान्यता प्राप्त है। डॉ. कुंदन छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ के संस्थापक सदस्य और प्रथम अध्यक्ष हैं।

3. **मुख्य उद्देश्य** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ का उद्देश्य पुस्तकालय और सूचना सेवाओं के उच्च मानकों को विकसित करना एवं पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के पेशेवरों के बीच नवीनतम अपडेट और ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करना है, और पुस्तकालय और सूचना सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना है।

4. **गतिविधियाँ और कार्यक्रम** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ ने पुस्तकालय विज्ञान में नवाचारिक अनुसंधान प्रस्तावों की अवगति के लिए सेमिनार , विचार-उत्तेजना चर्चाएँ, और ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र आयोजित करने का अभियान चलाया है। यह संघ प्रोफेशनल्स और छात्रों के लिए पुस्तकालय विज्ञान के समकालीन विकास पर आमंत्रित व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है।

5. **संघ की संरचना** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ एक लोकतांत्रिक ढंग से संरचित संगठन है। संघ की संरचना

हैं: -

अध्यक्ष

उपाध्यक्ष

सचिव

उप सचिव

कोषाध्यक्ष

एवं सदस्य

6. **पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ का प्रभाव** - पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ का प्रभाव व्यापक है। यहां कुछ महत्वपूर्ण प्रभाव दिए गए हैं: -

व्यावसायिक विकास : छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित किया है। यह संघ लाइब्रेरियन्स के व्यावसायिक योग्यता को बढ़ावा देने के लिए अपडेटेड ज्ञान और तकनीकी समर्थन प्रदान करता है।

शिक्षा और प्रशिक्षण : छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ ने पुस्तकालय विज्ञान में शिक्षा और प्रशिक्षण को प्रोत्साहित किया है। यह संघ विभिन्न कार्यक्रमों, सेमिनारों, और वर्कशॉप्स का आयोजन करता है ताकि लाइब्रेरियन्स नवीनतम विकासों के साथ अपडेट रह सकें।

अनुसंधान और उन्नति : छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ ने पुस्तकालय विज्ञान में अनुसंधान को प्रोत्साहित किया है। यह संघ अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करके उन्नति की ओर कदम बढ़ाता है।

7. **छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ के प्रकाशन** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में सक्रिय योगदान करता है। यहां कुछ महत्वपूर्ण प्रकार हैं जो छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ के प्रकाशनों से संबंधित हैं:-

बुलेटिन, अवधिक, और पुस्तकें : छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बुलेटिन, अवधिक, और पुस्तकें प्रकाशित करता है। ये प्रकाशन पुस्तकालय पेशेवरों, शोधकर्ताओं, और छात्रों के लिए मूल्यवान संसाधन होते हैं। इनमें पुस्तकालय विज्ञान, सूचना सेवाओं, और क्षेत्र में उन्नतियों से संबंधित विषयों को शामिल किया जाता है।

कानूनी समर्थन और विधायिका : छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ भारत में उपयुक्त पुस्तकालय विधायिका के लिए समर्थन करता है। यह पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों के लिए कानूनी ढांचे को सुधारने के लिए उद्देश्य रखता है। छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ छत्तीसगढ़ में जनता पुस्तकालय विधायिका के बारे में चर्चाओं में सक्रिय रूप से शामिल होता है और भारत भर में अन्य राज्यों के विधायिकाओं के साथ सहयोग करता है।

समग्र विकास और अनुसंधान : छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ के प्रकाशन पुस्तकालय पेशेवरों के समग्र विकास में योगदान करते हैं। ये ज्ञान, श्रेष्ठ प्रैक्टिस, और अनुसंधान परिणामों को प्रसारित करते हैं।

8. **छत्तीसगढ़ पुस्तकालय नेटवर्क** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ राज्य में स्थित समस्त ग्रंथालयों को आपस में एकत्रित करने का एक सफल प्रयास है जिसका विकास डॉ. कुंदन के द्वारा किया जा रहा है। साथ ही छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ भी इसमें संयुक्त रूप से सहयोग प्रदान कर रहा है। जिस कारण से डॉ. कुंदन को छत्तीसगढ़ में पुस्तकालय नेटवर्क का आर्किटेक्चर कहा जाता है।

9. **जिला पुस्तकालय संघ** - छत्तीसगढ़ पुस्तकालय संघ के द्वारा राज्य में स्थित समस्त राजस्व जिला में जिला पुस्तकालय संघ का स्थापना किया गया है।

10. **उपसंहार** - आज यह सर्वविदित है कि किसी भी समाज के विकास में शोध के महत्वपूर्ण योगदान के कारण सूचना, सूचना स्रोत एवं पुस्तकालयों की महत्ता सर्वोपरि हुयी है। ऐसे में पुस्तकालयों, पुस्तकालय व्यवसायियों एवं पुस्तकालय प्रक्रियाओं के विभिन्न आयामों को गुणवत्ता सम्पन्न बनाना वर्तमान समय की मांग है। इन सभी बिन्दुओं को सुनिश्चित करने में पुस्तकालय संघों एवं पुस्तकालय विद्यालयों की भूमिका सर्वाधिक अहम हो जाती है। इन दोनों संस्थाओं के सक्रिय एवं प्रगतिशील प्रयासों से पुस्तकालयों के वर्तमान स्वरूप में अमूलचूल परिवर्तन लाकर शोध की उत्पादकता एवं परिणाम स्वरूप देश की प्रगति में गुणात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची -

[01] Prasher (R G). Information and its Communication. Delhi, Medallion Press, 1991.

[02] Kumar (PSG). Foundations of Library and Informastion Science. Delhi, B. R. Publishing Corporation, 2012.

[03] Kumar (PSG). Fundamentals of Information Science. Delhi, S. Chand, 1998.

[04] https://sites.google.com/view/la-cg/